Apirpagan Sm Sankaragurukulo Sarias No. 5 11 3/1:11 1 3 41 × H Q - 4 7 4 : 11 11 11 है। ही साडाइ स्टिर्मिय रिस्टि 11 KUMARHSAMBHAVACHAMPE CRI SARABHOTI MAHARAJA DETANJORE With foreword by Vodgas og -r-, Videgavacaspace P. B. SUBRAHMANYA SASTRI 13. A. (OX On.), M.A., Professor of Sansing, Prasidency College, Manhor Edited lay Gurulanto sikhanani, Sastroprosar bace shame, T.K. BALABRBRAHMANYAAIYAR SRI SANKARAGUR CEKDEAM IRIRANGAM Post ope extre Price Rs. 1. 4

Keen travachange i one avoi forer fore worker of the ice services Patron of Sansking larring and every king. Sarboje II known in James live ever to be a large for a valuation who trained have as king for a valuation who trained as king for a valuation of the last of the paign he made Tanjone we can see of a valuation of a value of the paign he made Tanjone we can see of a value of the paign he made Tanjone we can see of a value of the paign he made Tanjone we can see of the paign he was a possible to the paign he was a see of the paign he was a second of the paign has a second of the pai scholar de sousieire and Marasai, Le altrades Licerally patronized wan lay grants of and connected or and connected or and connected or and connected or and areas of the manual or connected or and the formation of the formation of the connected or and the formation of the formation of the property of the formation of the f to bring which him. This liver any is can alled most valued at Jacking and librariar in cas who do at Jacking and librariar in cas who do at Jacking and land have a land as occio de world. It conditions sourced there is precious and large and liver to compression and large and source in a second work is the in the company and one seems work is the interest of an analysis of the conditions of the condition ce - Recent sanciano of as hen wood

diction of the translands " K seid a so and Karya.

Liento. Der Enos. P.P. sommer of order of to be a som of the some å an skie pusier a est ens, for having kon sof gone wrough we proof s.

Brix angan

T.K. Balasa-

Foreword 134 Vodgaragara, Videgavachorpete P. P. Subrah-manya Laste, B. A. (Oxon), M.A. (Maseros), Inofersor or sanskis; I have san any college, Madras. From we elpanishadic age onwered many Hinde kings belonging was Warrior or carte have been not and grant parties of learning and and court have been when some orean have learned were also. It not some orean have also been also as a learning and also been also as a learning and also been also as a learning and also been also as a learning as Cosan distinguished are was as well. Some nodern 5-2-2-, udalig Macdonell, taken the test kingly sections

meest have last tour arrangement. Earle

to and the section of the s to de of on company welf modern come, we lenow or not a few kings of Travancore and Cachin who were not only grand kings but grader, writers established topression. To this class of quettor-leings lead orgs Ling Sarchaje II who had a Tanjon from

1800 - 1832 A.S. King Lerboj as II alararus

in full we share and organized we famous

cararust made Palace Lower of a configuration

of many a language of as many manuscript

of many as a language of as many manuscript

persone of the same of the computation of

his unparticular manuscript cance to a configuration of

his unparticular manuscript cancer to a configuration of

his unparticul Livery of tangore, which is surely one dree following of tangore, which is surely one dree he cheso and most costey below is for Onisted manuscripes, is justey a servery Control tax Tanjone Madaraja Sarboja Control Makal Palace Liberary. King Larboje and 2 my larmed Saledas de son ser sei paltonaga and paltonique as many to 30 eru della scholar inuesa saledas inuesa saledas. * The are as least four soise preserved familiar or with to be and so sie preserved in at Janjon Liberary - Santistrasame. ecaya, Emrtisarigeada, Mudraratesasacchayo and Kaen Trasambhavachampa. Of were con Casa, Kumarasambaavachups constant in an ansy, flowing and engle of another the services of another the services of another the services and the services of another the services of the expressions and interestination Kardes de Kungrasanledana. The royal * For sectoria, son pp. 600-41 ores "Gurde 620 Taijane Palace Lucerary Lay prov. J. P. S. 5-0600 Presidency Carego, Maderas, 1934.

quesor à conscions de mari de M Bhojandardo Rans que a campie as a shandard champée avent and follows in Bhojander de footskaps vive an assa and grace all ai onn. The case offerior and explanation, and i-land which characterity comments, commissed 62 moses to and in contract of comments o P. P. Seeler al manya Perescioner ay Carego, Madro 16,8,1940 11 217:11 11 do tolk to the a -e + y: 11 11 अभी रास्मा में महारामा करा ने मा ।। म्म भारत्यास म्मारमापित्रापित्रां न जारार्नं शामे वर्षेडम 12 म्यानम् स्वाद् सन्द्रिया द्वारी कर्षा द्वारी कर्षा है। न्त्र मानाय निवयमात्यूर न दे यूरे में भारता नय तर कालमानं विद्यान के श्री मान भी ना दे में भी पर पर मार्थे माना रहे माना रहे माना रहे माना रहे माना रहे माना रहे विरातं देम शेलरफा देम शिविशासद्याः सन्त ते जाति -स्कीतारोपा अगाद्वापाद्वा सद्याः सन्त ते जाग्नेलासाम्

राजां भारता वंशा ना रेजिन मुला देश मां अस्तानानम भू-र्वाकामम्रावतीय नगरी तन्नापुरो विम्ता। वास्त्री ति तम विवास मार्चे राम हा प है। मार्चे दे वता असा यालय पूरितो तस व रमा मा क्या दिला शोक ते ।। ३।। तम शीपरमेशवरा र कला गा होरं यारीया में मालो के विषाल मी के कम में विष है। ह भवत पाकने इश्वाको दिव सक्तती दशर्थ : पड्दश्री कारावेत भवनित्रः । मर्वातं रत्वातं रत्वातं उत्वातं पुः स्वाहित्य विद्या वेर्षे ।।४। ताह्येत्रः हारमाग्ने न में रेने हैं। साहित्म सामान्येन = オーので: a or The Jacobs भारती रामकथायाधामाधारेलं यम्पूष्टमा यादी स्वालंकार न माल्येमारसपदं श्राह्म सम्दर्भतः सम्बन्धात कुमार्संभवन वा उर किवनुष्ठक क्यों ता मम्।।रा पदां ह्यमणी ह गयर पतं या न ह्यार पदं बार्य पद्माविकार्स लं म मनते नास्वायां मान के। सगिरियां हि तमी है भी राषे सुधात्मा है के ये। यो मार्टी स्टालों सं हदमान्यों वितान्ते साहित्माद्या वियम् ।। द्या

, जारत स्वस्तात ना द दुन दरतर च्छा सो दलास त्या व्य तर -ला नाती क मुला मलादि कर हा से ला गुर्ग दें बता -रत्यो माम हिमाचलो मामे हिममूम्मो नर्रमां विशे॥ ७॥ मं सर्वे डार्न मही परा विद्राधरे वत्सं धारे भी दुरा रोग्नुं वलाह्म गुनास्क सस्य न हिं सं सीमानस्वपुर्मात । इ.शं: पूर्वकारम लाम्ड्निमिन सम्मारकी काला भी-लीकामण्डक सम्बदं वित्तुते के धातुरूक्त मां के शाहा यात्र च, महादेव इक हिम्मर्वण्डरे पुरु को नाम इको । सुरलोग र न सम्वर्ग नंशाचित्राले, भेलास हम सम्बन्धाला -सारे, वे नुष्ठ हम हारिषा चित्र होते, रक्तस्ता क रव सारे रण्डा भी, पुण्ड रीका समझ्यस्त हम अस्मालाल हुते, कार्य प्रकार प्रमान हम नहां नगा पात्रा विश्वे ने, रत्य स्वर्ण चित्र हेमरक एउ गण्डोपको, प्रश्रीम १वा कार्राम न मण्डले, महाकारार् इव स्विता मुख्या कलानपुण्डरीके, शिमोत्त्व में भूभावण हिमारे ते, ध्वारको भी दुरसदे मा अग्रिक पर म पर म ना मही दिरावा मां करवर मुख नरन-र न्यु मुन्द मुन्दा प्रणान्ये व निर्मा न्या व निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा परिसाल डेलव: साल १ देश हार का में में देश देश में पात कि दानां मार्ड मार्था रेगार में कार्रास के के मार्थ के में देखे एक स्ट्रिय स्रीयम मला है रामाः, वर्गाः, वर्गाः, वर्गाः स्मित्र क्रिक्स कि न्यरम में मानम्, या पड्टा वे लण्ड क वा में द्वा प्रमाणान प्र रवान सुरु औद्धा पहुः, वानेशासर का ने कराणां इस्तेल की ला एवं सुदेश इदीपाः, अविधान मधन प्रके -धारा णा मद्य भूकी नी तार कर्मी में अपि भागे मन्द्रमें गामकार, दिवानीत इक दिया मराद्वा सीनो अवधा मार्ट, द्तर्वात १ वहुल कर मल वाल कमरी ग भेरे बा नवार्थितो भिर्मा शहर है। के प्रमान म् गानुकावन परिकारला के रातामां भागमर भी रमें रशीतला. देनदाराना नातरे केन आमामाने देखें नु उ, उन्दर्भिन-प्रमामित्र भेरे न ११ देश मर स्मिर शवको पः, प्रमामित गुणसम् छः। कि तहुगां मानस्ती चनमास्य प्रमेस स भूषरः। मेना मु त्याद्यामास तर्मा सेना कुमात्ममर्॥ र्षान राम मुक्त स्वलंबरक स्ती पूर्वपत्नी परारे-रुट्या हे मेह भी ना न जानि हिम बना भी छी मेन का मान अगसी दार । प्रसादी व सुरपर जारने गार व: १। इ: २। इ: २। इ: २। इ: आसा रत्न शलाकिय च शुश्मि अन्धादेला पार्वती-त्या स्वकालाभिजानं कला प्रामितं चान्द्रीय जवधोदका। दृष्टमासिन्यमं द्रष्टामिननं रूपं हिमाडेः पितः पुष्पत्ने इ व्ययुमा स्मूष्ययि स्वेन विमार्गेन तम्।।११॥ सा सो बर्ग भीतले ति काते ले देशे स्वी कि एका न्ते उत्तर सम्बन्धः प्राची । अन्यादं स्पुरदुन्ये नर् तमस्या द्वारिक्यं न्या भीननम् यातभड़ां ?/

क्षा मां वित्राक्ति स्रम्म निवन्दा शहर-स्मा चर्ड़ी अस्तिमिक त्पृदित बत्मु त्स्य वार्तान्तरः देनं चन्द्र रलायरं निर्मासना मम्बद्धिता महत्वा महत्वा मार्थिता महत्वा महत्वा मार्थिता महत्वा महत्व महत्वा म खरेनोर सा सीति त्यरिम्बा न्यूर्व जान ने श्रीरं इत्केत्रमूति मतस्तुः प्रापतिः। तायरलक्षं परवाद्वाकरम्गामामीपरिमले , र माडे: उसी हसा सबस दुकाड़ों के तारों। 9811 कर्ता, प्रका, भोजुङ्गीय न नो स्वेश्व सार्वेशी ग्राम्यां युलदायको प्रति माग्यान भी चन्डमीली १वरहो क स्मी में - ड महें -ड कार्य कर रात्री १ कर्य दा ता उति स्मन संबद्धं तक से करार मक सा के ना कि का कि कहा 119 211 प्राचा माम मामाशिकर काल हुन स्टिरः सं हतारको विद्यम्पोरो विद्धारिलाक्रण मिन्ना शास्त्री गरेते न। भारति गातम स्वरूपं मनालि नुससमाधान योगे विश्वेद शासन् धोको मार्गि शासमाधान योगे विश्वेद एवं तह नपरमतीन्द्रमुद्धे विश्वाधिने योगीनां त्रेत्यामाने नेद्वी न्द्वी स्वाह क्षेत्र प्रका परवता । はなる: भू र्जिन ग्रम न न के र कुरुमो नंसा गणाः वर्दि = 12011 म हो क्षो हको लास्मेन हिम धनाशिला न मुद्द रहेने; रमराभिकारक देन डिलमदानेशरमका। म क्षान हैं संस् यानम में वि देशम नहार विनमें: विंशमां स्मानेषु विननादादनमतमा ॥१८॥ अगायतः पुरादाते : १९९० वा १ मा मार्थे प्रमता विकान वा प्रमा डेककामास्त / संम्यामक ने देनों विद्यारी पुष्पा हि, स्वरित सा अहिनि: सममानम न्तुम चर न्ते व प्रमारे स्वरा देवं तं तपासे स्थितं मित्रम्ता शुष्ट्रम्या मा ते परे वस्य ता वरी। शुष्ट्रायां तन्त्रमे त्यां हिमामितिता समा देवरे वस्य ता वत माले का नात भागान माम मान त्यों के ता हारी नम्योसंस चन्ड स्मयदम् तरसे : शान्त सावि परकेदा इक्रान्ती देवरेवं हदयस्तरासिनाम्भन्तरे माइ,लाम 112011 देवारायक की खेतां प्रकार मुल्या में स्ट्रम स्थामा बाट्य त्या विषणा ज्या कत्वा विश्वे पृष्ट पुरी विश्वो त्या दमर क्षणा प्राय द्वे मूर्ति असं विश्वेत मारातमं भवतार विश्वेत सुरामं नेशा वसं के दिनाम्॥२१॥ त्वं हेतुः सम्मासम नामित अवतो हेत्। समस्तरम क लामा इ न्तरत्व नाम्तवामा ने तथा सर्वस्य के अवामी नेशः करणम नेडिस्त शार्यनाभित्रामस्याभाष्ट्यां चिड्ड । अने पुरुषं परा तपरतंर हो तस्य हो जा दिनम् ॥ २२॥ इत्यादि स्नुतिकः प्रस्कान्यो ने स्वार अनुभिर्मेशः प्रत्ये विश्वाम ग्राप्ताप्रमा नुतः नारणा-वित्यने विश्वास सहस्त्र नाम वाचरपति मेर्यन्॥2३॥

त्वाः प्राप्तवरो त्वालिष्ठ हरेयो रास्तारको तस्ररः। ीर्वायम् भूमेन्त्रीत्व स स्व स्वारि कारो ज्ञा-इस्मान पीउमान उस्ट कालनस्त्र मार्थ ने उसे है। 2511 , इसी चाउमानुर्य वाचाला हु सातव नुष्ट हारूर मार्थ अपे अल जल स्ट्रम पुरोशने लास नारे ना नमलमुद्ध ल निर्मास्त्रा थी प मिम्भायतं कराष्ट्र। विस अपराहिंगे १ के एं स्टेश हिंड मणाव न्थान द न्या द या स्टाम के कि सर्व रेंग स्थान के रिवारिक रतं नि के मगणः ने नलां हर्यु उत्तरं न्यां न म्तादिर्ला करोउप वहुषाय के मानि र त्या मे मकान करं अती अकाण उपदी करोकी। एते च माजलम-मालकारी प्रतिवाला कुर प्रमुखा भूमद्रामाः ।स्य १५ दीपता-X-1141X120101 अस्ति कामाने हार्षे क एक मुह्में : हिश्मान लोक कि क्यं दुरातमार्ष प्रतिनुवासि प्रशासं प्रकासान्ति तूप करेरित पुक्ति स्वास स्था हिन्दा भन्दलपाद्या विराचिता; स्कोत्यामगुरुद्धमा-मलेलाको स्रास्तु नद्रीति र युना सन्दी द्वारिक कला। 3 साझा ध्यम् रोधिता प्रमारित श्या सं नवा त्य द्वा उन मा मा कार्या के कार के कार के कार मार्थ के किया । रहा। १८३, गण्युत्पारम मेरोनि ज्ञान सरस्तीर ली ला चला लं मिना में स्वर्ति हिन्माः क्रा के काले मी ते ने भिता उत्ताम विशेष दत्तं हत्या दिन्द्रिक कर्म कर्म कर्म कर्मा हत्या ।। २६॥ नि चो को अवसं अहार स कलादिन्डस्य कालाइनी नं मूर्त स्य कारमा स्वरत्षाकेच मरून।स्मिन्त्रपामा मुभा। उरे भी की की पान के बहुते का थी सका तम्मा -प्रत्माशा डावि वर सत्युदर्शनकदः उठेडि में निवन्त्वत्। प्रत दान्न नरमस्य मे पेषु पुण्यमा नर्ति । रहेषु। 257 मर्या न तरायात ही मं कि में तर्दिगा मारी। 2011 लस्मादस्य दुराटमनः जवामने से नान्यमी स्मामने तं मुला पुरतः पुनः भिष्यस्थे उत्याहरे,द्रोडिकेल्। नामा उदं अवतां अविकात परं काताः उत्ते के मा अवता १३०॥ मलाः प्राप्त बरेप प्रमुरः पुनरसी मनः २ मं नार की दिया न स्मन्ते विष्ठ प्रमुरि तं हन्यान्यरः शांभनम् । का न्यस्तं विष्टेत रंखति मरादेश करे क्योतिषां प्रमेन स्मान स श्रमाः संस्का त्रिण्यां पुन कमार्यका जिनां समा-उष्टं हे जि दशा सत्यक्ष भुजा सहस्यानाओ हो पम्म्। वोद्धं निक्षम्भा क्षेत्र तदन् प्रारुभेन्य - पूर्व हे-रातमा लार्च निक्रों हे ग्रेडिंग भजनां क्षेत्रं स्था धार्मी ॥३२॥ राते व्याहत्य १९ व्हारिते सरावे गास्ते महेन्द्रपुरण かるサーコリアをとし

तात्मारकार गुणा द्यारेण क्रम्स का नद के मागा त्यूती श्र प्रारिक दमी डार्च ना प्रक्रमा के नार करें ति ने। भूत्वा उत्याल रण्यतः स्रथते रासी दुरारा भूतिः॥३३॥ इति श्री भोसल मुला माता है- से स्नुभ को ला न संध्य पुरं पर-4 415 MAN A SE SEA MENT SALA SELECTION ON Pechs, 5512 =12+3 ्रम्याम्गा दिस्मामे : सप्तिमनासेनो मल्यासां स्वम्हला 4 5 FOIT ग्रहन नमं मियरलं कार समारमा में न उत्पारम् ॥१॥ = 4717 43/ देशासायक नार्यकालि तम तत्वती विकता वे क वा तावलाव क लो का के में का संभा दोर्स तपरत पते। सोडं संहितसामद स्य धनुष: स्टान्ने जिदेशास्त्रतः करते मु निम संस्तो ड निलय ति स्यादे स स्कारी नाः ।।२॥ you case थ्ना काष्ट्रमा करोगी सुनमं मं त्यहरां त्वं परना and f विभागने अमर्ग वामायुष्णिक वर्ष प्रसेवायुमा पुकारको दल प्रमं ते महत्वान 25 fort on 22012A20 20 To 20, 20 to E six classif स्वरे वरं न नमं मम डे र धके।(५॥ रवारं ते र हम ने जे लटस पु मुक्त प्राया नार्य अवान अगरामां उति पत्न कर्म मिद में वास्मा हि उम्म 1 : sugues / सेनानमं अ निर्मात मंगी बार होने मार्थ पुरिनाः ॥१॥ स न त्या हरोड धुना समाधियो जामारिक लो -अवम हिसा हिसा हिलान्तरी अने दा यह क्रम का क्रिकेन हरें लांके सुरन्त एक निश्वः॥ ७॥ आम न नास मिल ने अप अप अप अप कार नियान कर माराहिंगा-। कि ने साइ ना मान पुरावे अविता मुन्म मानो उसे देने । 四月735/ - द - मारा भेनम् ने : पर्मा सुरमीन्त रिद्वा वडलां ता-मिन्डो मन्यार माल मादेल मानकि जासे क्रमण गाः इड बर्जा । दा। अध स मदर्ज मं ट्रिय निकुम्म स्थालाम र के होन खुर प्रते हिस्त सले को प्रशासिताई; अधिम मतेन स्थायेन साय्येन सारायुषा रत्या चानुस्ताः शानेः शानेः थेमजलं स्थापनाः

(1 car 12 12 1/01 car 201 Hazer an - 4 2 HISTI CASCA अ अरिक दमो ऽ में ना क क का ला के ना के कि में। भूत्वा उत्याल रणतः स्रयते रासी दुरारा कृतिः॥३३॥ द्वा भी भोसल दुल जल है - से स्नुभ सोल न संध्य पुरं पर-13 1515 ALD STE ALD SHE SHE STERLING IN Red > 512 = 1 2 = नास्म न कार्ग सहसं भुगप दण हरेली ग्रम्भार निष्मुणां प्रामेण स्वा भिलेषु स्वप्ला पर तथा भीरवं का मला स्पाद । स्वामणा दिस्का में: समी मनासे मो मल रामां स्वयूहना 4317011 ग्रहन् अन्तुं मियरलं कर यथल समारममे नं प्रकारम् ॥१॥ = 1535/ = दमारि नी देगारात्य नार्थिकात तान तत्यती हिकाता के का तायमात्र क लो नामिनिक के का से से ते पर तथते। सोडडं संहितसायद्य यम् अनुष: स्टान्ने निदेशास्थतः करते मु निम संस्ते ड निम निस्मित स्मादे प स्कार ने नः ।।२॥ शकाः न्य तना य नित्ति क्षिण स्माप्त र को मंद्रा दे वाद्यी तो वद वीड्याकि मनसा नाकेन पत्नी मुनाम्। ' तं नाउ-यस्कियुना करोकि, स्तानुं तां त्यद्वां तं क्ष्याः । ध्रतः कोष्ट्रमा तनोक्ति सुद्धीं तां पुरुष राज्यात्राकाम् ॥३॥ you case and draw विमानने अमनं तमायुष्यक वर्षे प्रमियापुना स्वामिन मामक का यन गरितमाः स्वीम्के इस् भीता इस्ति। पुरुष्य स्वोद्ध के प्रकार कराते लाइका कराये मर्खे - क्षिमें का रें पिनाक क्षण हैं शंभी स्व सेर्स स्वामिता। who has set to the total of the county of th ET ET & classif स्मरने तनं न पत्रं मम दे सहासे ॥ ४॥ शारं ते ड हम के में लट्स जु गुरु थम प्रांच कार्य अवात् अवारा को मानता ना पाद्वा ने क के डामा रंग ता दि सम्मा का जा मां असे पत्त का पासि से मा समा कि रुगा के लं से मा नकं अ बाकी के का मानी बाद का ने सार्थ मुखा: 11411 1 5 cm2 ! 1 सक्ता हिमाउद्यास्त हतान्त्रे अने त्या क्रवाले हरं लामिस्टन एक निअनः॥ ७॥ काम तर् कार्या हिन्दे अमें अभे कि त्वा मन मार्म म्या है। किं ते साह-नमानम पुराषे अविता मुन्म मानोड सि देने ! - द नारा भेनम् ने निमल स्रमीमूल दि द्वा वर ना-47 an3:/ मिन्डो मन्यार माला भादे स मामारी आमे सम्माणः संडपर्गा हा। सुर प्रेडिस्न तमे मेप का लिलाई; १ प्राप्त महेन स्थालाम इस होत सारायुका रत्या नामुख्यः शतेः थातेः थेमनतं स्थापना-31 20 29 21 21 21 21 24

टाया भम्मचे लया सिकामें मुनीलां मनी-, अस कर के एड में पुरम् नमने मूमतः। त्रिका कि के दिशं भन्ति यह ना का श्रीतां श्चा दिशक स्का रामकारिक मध्यसीन्।। हा। भाशिक मान्य वरीक स्टूत स्तानुष द स्परितेशा न के अं w- and र निष द्वासार मार युवपाण्य अगारा रा करा। वेग क मुक्न राम दासीका। A-s'Ac. स्वयं श्यूत असूने असर तारिशूनमार् नामा अरामा क्रार्त डमा विर्वादयं कारियारं क समस्य के ने वर्ण ने उत्तर के उत्तर मार्थ 四元 अभू की लो डे व कारिंग प्रतासमी ल त्या गार्थ। attack 63. 41500 Fragai + 455. 40 113911 । केमाल वृद्ध मान्तरीर्मः द्वारेष कित्र-रवर्षिवालम्नस म्गावली को कभी। चुक्त मामिनीमनेगम् सारिन थान दारेन । मिन्ते कि मूल सारमस्य के ठ मादसुन्दरः॥१२॥ CA 13. JAN 2 AVIT 1112 8 4 2 10 - 293/1. 1 ENIN 18 NINI HON A AM 3811: FED 12 NITH A 119311 १९०० तंत्र तप्रसम्मी महत्वयः १४०० तं रहेभूतां वसन्तल १ भी-中自中西文司: तं देशं मदने श्रहीत स्थानर यापे प्रयत्ने समः रत्याच । डियमा विवत्रस्मिलहन्डाके भावं मिणः। लोलम्बः डियमा समं मधु पर्यं पुरुषे द्वारे म्याः स्वर्गमिलिललो नाम के मणी' शहुमता १४॥ गण्डम मारे कारेले उदरें करेखें अर्थी पणुक्त सिर्ध स्थानुरागम् । प्रायाद्व का दुः विस्वारः करिव्याराग्तः॥१५॥ - माना है। कि मान का मान का का का का का का (कि.डिलकार) मुसुक्से विं मरेण मिणस्मार/ परामिराचे जालामां पुरुष गुन्क स्लामी मां हर: श्राचाच्छ येत्र मित्र एक देखिकानसः। भूगमेरकोषु विद्यामां म प्रभविष्ठाति मात्रिक् ॥ १० ॥ भगाना निक्र मुकारी भेजातुल संस्था वापलं मा पुरु मेत विष्टम् दे स्वाचित्रम् म्याउतं महाणं दगन्ताको प्रमुगा प्रचार कम वन्तन्द्रास नात् दास नम् निरं नमसामिनासम दर्गियां तमका प्रयोग पुरः शुडं पान्य द्वा विशन्पुरारे पे दर्भा मास्य । ज्या । । ११०॥ १९७ र मन्मत्रः देम बत्यास्य त्य नायां नेपाद्य न्यास्तरणं देवदार तर के दिसम्बद्धां स्थान स्थान सम्बद्धा वस्थलसुन्दरलराक्तें भुजानुः भोन्न छ नारा कलाप भारत् निगरं थेरवीं टबनं द्रांनं भासा शेर्ट रानिक से बाद रिलोभी लाग्ना विस्पारित प्रमान ला स्वि। प्रमान में गाडामिना कृष्टिसंदरम मापामाणार किया नु ल र आस अन्तर द प्राणा किलल्या प्रदेशक हिया कियाता हिन्स मण्य अद्भेरिका कि मिल किला है के उसा का माला में

अ चारिक दमो ऽ में मा प्रक्रमा । अवार मार्थे ति में। भूत्वा जार्जाल रग्ना स्यातः स्रमते रासी दुराराकृतिः॥३३॥ यति श्री भोत्वा मुला माता है- भेरता भ को ल न खंषर थुरं पर-113 स्टाइ श्राह मार ह स्टाइ प्रमाय के स्टाइ हाय है। Red > 512 = 1 2 = 1 2 = 1 2 = 1 2 = 1 मस्मिन क्यां सहसं भुगप दच हरेली प्रमासी त्यु भूगां प्रामेण स्वा भिलेषु स्वप्ला पर तथा भीरवं वा पला स्पाद् । भू भामणा दिस भूभे : समादे मनासे मो भर्ती स्वापूर्वा y FUIT गडल नमुं मियरलं न्यर यथल समारमासे नं प्रवास्म् ॥१॥ = 473 T/ 12 x x TA: = 47115 03/ देवासायक कार्यकाली ताच तत्वती कियत वे क वा सोडिं संहितसायन रम वर्ष स्टानमें मिदेशमिताः करते मुनिष्मं मतो इकिल्य ति स्वादेष स्कूरेनेतः ॥२॥ शियोः यूर्य त्वार मिति। येषुणस्मा पार्थी मांगा इ अग्यो ती वद वीउमान मामसा वाकेव पत्नी पुनाम्। you case टनं मान्यस्कियुना करोति समानं तां त्यद्यां दं कर्मण on grane ध्याः काष्यम लमासे पुहर्में तां पुरुष राज्यात्राका ॥३॥ विमानिं भागतां त्यायुष्टा हे वर्षे प्रतियापुता यामित् मामक स्वयम् । स्वित्ताः स्वित्ताः स्वित्ताः स्वति । स्व १४-वर्ष -अक्षेत्यं नदलं समदं तं मकत्यान् Esta ricear रे र समा जातापाई र वरां का लिये हो। स्टिन दर्ग न नमां म्य दे स्टार्म ॥ ५॥ स्मारं ते इ दमने के लट्ट जु मुक्त प्रमाय नार्य अवास अग्रामां अति पन कार्या में प्रमें वारमा कि उम्में। N 50 302: 1 सेन्गनमं अ नकीर्य सं अव मनी बाद द्वान अविनुद्वाः॥दा स्म न त्यसा हरोड धुना समारिको डामारिको न सका हिमारिकत्मना हलान्त्ये अने तत्वा क्रत्यं सा क्रिकातः वित्रत्यस्य क्रितं। काम न कार्य हिन्दी उस महिन्दी लागा कर मार्थ प्राह्म-। कि के ते साह-मधानम पुराद भावता मुन्म मानो ड दि दे हे । -द मारा थेनमुन्ये; परिमल पुरमीनून दिद्वा वर्षा ना 如河南等[भिन्द्रेर मन्दार माला मादित मनास्तिमाने क्रमणाः सहस्रिं॥ हा। १५ के हिस्स ते के प्रकार का नहीं। १ प्रक्रिक स्टार्थन मा परेन सारा में रत्या ना नहीं। १ प्रक्रिक से में देश स्थापना 7574er = 31 00 Al 0 21 41 0 11 0 1/2

टाया भामके एया विकासमां मुसीमां मनी -, अन्य चरणे पर में पुरमू नमने मूमतः। तकारणादिसमें १३शं भनाने यस ना धार श्रेतां श्चा दिसाम राक्णा जान लामकारेन न्या स्वरीत्। हा। मारिकाल देशक स्टूल स्टानुप दरपर लिया नरे सं मडं कः स्था श्यूत असर नारिश्यून मार मामा देन रामा मडिकः विकासिक असमे असर सामिश्वर मामा द्वारामा द्वारामा १०॥ । のでない वस्ता कड़े न नार कर स्कलीनां न स्वराई नत्। १११। । प्रेमाल वृद्ध मामारीरमः द्वास्य दिन्दान स्व दृष्टियाता म्नदा मुगावली को कभी। च्यूम मानिनीमनामेशन थान द्वारी मिनोडिम चूल सारमस्व क ड नादस्नदरः॥१२॥ (13 13. ASAS DAL 1113 de 12 10- 50:1. स्यामे हिमालास्य बन्ता देशाः स्ट्राहिनासिन ॥१३॥ १५०० तम तपस्मालो महम्बद्धः भन्ताल स्केथ्रुवां वसन्तल स्मी-माना का मानो निग्दाय म्लाडयत्या अपी नाथा चिदाव 中京江西文学: तं देशं मदने ण्डीत पुत्रकर्यारे प्रयन्ते स्वमं रत्याय । डियमा विववर्गिता हा में मियः। लालकः विस्ता समं मंतु पर्यं पुरुषे वाले मान रवर्ग मीलल लो च्याम ने मुर्ग १ गुड़ मता १ १॥ गण्ड व नारे करेंगे उद्दें करेंग रममोगारा भ मायुरंस द्यानुरागम्। प्रायाद काइ: जिस्मा: करिक्जीरागाः॥१५॥ श्रीमान द्वाया के मीति का लोड्ड ता कि-(स्डिंग्डा विने में ते में वा सिकास्ताम) तरामिराचे जातामां पुरुष गुष्क रतामीनां 1601 45 20124121124121120 Q 01 55 RAC 119 E11 हर: शुलाया योगितिर या दि दि प्रमानसः। भार्मेश्वरेषु विद्यामां न प्रणावी । सी मानुष्टित् ॥ १७ ॥ भगवा न्वरात्। (निट्रमण्डे सुनिश्चलाश्चमरसं म्याण्ड मं नह्यां २११ नारोप मुग्यार सम वना द्धांस नात दासमा नि मं न्यस्तामिनास्य दर्गान्यं त्यन्ति प्रयाने प्रा वान पान्य स्वानिशनपुरश्यो र भी नास्य । च माना : ॥१०॥ १९६ र मन्मतः होम बत्यामि द्यायां वेषाषु रमस्तिरणं देवदार तर्वेद्याम्बद्धासीनं एका वियोग सम्प्रित वस्याम सुन्दर लारा कुति भु मड़, भो न्य छ नारा बलाप मार्ग् पणितसम्बिगुणा असूच मलमं कण्ड उमा संस्थानितः भीतारं थेरवीं त्य चंद्रशांन भासा। शेर रावित स्रे करा मिनि के माग्ना कि स्वान्द तपक्रमा ला कि जिस में 3)最后的是一个一个一个一个一个

रण्य के के ने प्रिया के का का की का का में का कर का ने कि दिन्दिन कर्ण प्रचारम् अगटक मके वा तमाम भवलोव Joei 2017 - 100 - 100 - 24 31 20 - 1 परमल्य रामनं मनकिमो दूरा उन्यवानं ।त्येषा विस्तरतं सरारं धनु मि ना करा न्याला प्र सत्या देवरनात्। निवारि पुत्रस्य भीकिमान्स् त्सन्धु वर्मान्ति प्रवश न्यान्त्रका शेलसुता सरमीयरिच्ता ताच प्रकेता हशोकता ॥१६॥ तां स्वाच य वाच व स वपुषं वास्ती म त्वा । चि कातां वासी कालादिवाक्रार्ग्णका सेश्रेमी द्यामां तथा। rgur (1 mg स्थान रात्व मणः स्व का ल्या बहुमान्या रगः । द्वतीयां कर्तु-स्था अर्था व वर्षा के वे वे वे वे वं व्या का दा मिला का द्वी इद्वां ना दा विकास का व्या का व्या विवास का विवास (2037 E197) 2018 2 E197 लां शक्तो : कारेकारकागल करीं कन्दी शहांसातमां भी ले न्द्रस्य हरास, तस्य रग वेश्वं भू सं रामा प्राप्याता । व्यक्षोड स्था: प्रतियात प्रविष्य केर्स पुरुषाणि पाद देव शक्सो: प्रवित्या की भित्रतास्या मुख्या प्रणामं व्यापात् ॥ २१॥ 2112- 2192 or teem arm, wrest

,प्रवास्टि कार्ने भने ममसा ह भी से देवसी इत्याशिषः प्रमुमे व्यस्त्रम् ले दरः॥ २२॥ लत्यामं मुख्यामु को इति विश्वकत्या पर्या स्टब्स् हरं वासी। लाइन मेमा समक्ष मकरो भी की रामा करणमा। (मणी वाहेमुखं विविद्य रवशः की या सन्दर्ध--याचे काणम्मास्ये विस्ताने नेवानि स्वांष्ठात्रा ११२३॥ १४६ स महादेव: १वल्यि, लोपलय मिन्ड्र क्लेमं जिले उपल्या पुनालिश्य स्वमा विवासवार्गं दि दे दे । विद्वारवादा रीत्। १४१-५ गार्निय सन्मानं कर तामुजा होत्यर द्वन द्वामामुजन मानु न्तर्नः काण ज्या रं । स्किलमय भदमं प्रथतः शूलपत्रीः। १९७१ में भी दानेक स्वीम दिलनम नतेंदें को रासंरक्त की मा ८-१ तत् असमकारं नमरमायासी है विच नक्षः रमलायः ॥ ४४ तां विद्यं तप्योजवन्तम्य स्व महादेवी सहाकाद्यं तुम्मोलीः श्वातो प्रथा इथ वानितासां निष्ठा शने क्या भू तीर नार पारसमं भी रिस्ता हत्याली ता ने विषक MISTER A MISTER X X 70 70: 10 M 2311 17 9:11 2×11)4 a a - देन कर के के कार है कि कार कर कर हर नमन हता शा जनाल जाताक वरणाम्। स्वारे मु मुली लाम्यां लो चनाम्यां (के) देला तिन्ति गाइदमा ४ द्वार भाराराः छि'न नार्यः ॥ २६॥ स्मा ला वा इडिया विलामा विलामा विलामा मुन्देर्मुडः स्क्रियाली वस्तु मं मलोभववधूम् हैं व शोका के आ। मह्लारिममु उत्ते पानित लां चार १ विनी व्याहरत् ॥ 2 ६॥ ता वाने कुरुवा पुष्पाचे या तमे भागी अवह त्यासी क्रांश्मी शलमानितः पुराक्षितः के नार्ते दुव्यम् वर्ण । स्वत्य सं लादम्बर्ण ने स्तेम पुन: उस कर मनदा दंशी र मते उड़े. क सः॥ 2011 दशाद्वां लयम् यात्वारित रा नामा दिता दिनमा संस्थानाते में च न रिष्णामार वास्य नमाय को कर्युः पुठा शास्य सम्मान न न माना न समरोग्देतें।।१२० न्यस्य न्यार्थ रत्यान्ते व्यस्य प्रतिश्वनः। संश्रीण क्रास्य न्यार्थने व श्वास्य प्रतिश्वनः। रात भीभोखला दुल मा लाडिय नोस्ताम नोस न सुं करायुरं यह-एलामा महाराम दुमार शर भोगम महारामा करा यते - दुमार-भारकार कार मारा के में हिसेय आह नार है।

महा ध्वा सकत्त्रा मुहक्सं मुहक्सं अध्याक्रीतस्य अभड़ी। उ स्तान त्या स्था ता मार्च पड्ट अरक । प्रमान तस्याः पार्था मुल्युनः। 12123 42 2 4 July 6 1 811 2+ or 1-2-1 62-42 der 218 12 0/3414 (3 H लती व अगो मेर र स्थल पताम यू भी स्ति मूल? Ex 1 wester 1 m 2 2 x 2 2 cole & 2 dell: 11 x 11 - मा रहंत्यना निदेशम् के बसारे निन्दे क्या हैमतीpre / नि मान्त्र के भगमा में दिनदेन अन्य अम्म सम्मान । वि।। संतानं दिमाने क्रमामणु मा माना र नामा राम्मा सामा। वि।। 122 मिर्णिय कर्य मता लयः। हर ते गरिया ロイントマノテー prosera a mar मणा के काम द स्वकं शामितं विकाशिती लमास्वाम्ब्राम्ब्राम्ब्राम्बर्गा में ने ने ने ने ने ने ने ने अवधानि कवासाः व्रद्धम्येक तेमसा ज्यलम् जाटिलः मूर्गिनानेव प्रथमः समः व्यश्चित्र शुक्षमञ्चः पानकं भिरोजातको वर्षे प्राचित्रशा अप्रतिभिष्णातं तं पूजाया उत्मुद्दस्याद् । गरियर तम भे तत् काल्पे तां सात्येमां सः। अन्ति राम म्याम केशमाणी हिन्दामा ॥ री।

गता यन्द्र से लगा के विया स्तारितः स्वारा लामा पार्वत्या विक्रोधन सक्तिनं प्राप्तं मुनीनां अतम्।।। स्थाना वाड्रिनां अतम्।।। स्थानां वाड्रिनां अतम्।।

+ 15 का डाम मान में की माला है गाहिए ना निक्ता परिद का मा अन्य कार्म ता स्वास्त्र का की? , विकास में कार्स मुख्य हा मिला से ने वास में की का सामा न्यासा विम्बरक्रलोपनीते : कुम्बर्गक्रियोके : युत्त-12. र डा के वर्ष के भी माराया देया न अरियम के की जार अर दानोप लालिता केर् तथ दारेश शावा ता पो किया देह देना प्रयात मान्जाम नार्द्य नार्ता उत्सृष्ट पर भेरसन्याणाई त नायम त्यो कला १५ म ने १६० ता कि म शारीर सी नुभाषी भिरिया है। युष्टारी हुष्ट्र दें ११५१ वर्तमुण्य यु में।

के ज निरमीडिक अमतः के पाइन पकः स्वभावकाने के ताले विस्म संभूषा सापकार्ता राते स्वामानी व को प्रधानमूहत्य भीरी गुरो-र्या मा द न दाका । शिरा रमस्य तहाँ तप । 11 211

ना न्दर् दहल हरेन स्टाड्म माल ता मार्थ पाने । भेजां । मिना ती अ ला प्रशास र मा है प्रकीत स्रोक्सं न न है।।।।।।

of Az 151271200

whose orall-Con aling -

समानार्थ साललं न १वे: अमम के स्वर्ध कर प्रेम परः (अपार्मित केर भी त्वद्धर व्हार्य प्रशास मने म्मिनामधात्वाच नारितमा यायद्य ८ वरनेथे: संशा स्पेर्यनि परिष्ता भिर्मे २१। १९मं यमं: छारो भनात भनती होते च ममा मरेक की सुन्छ। अमित राम्लासमाम शम्मा १०॥ £: | मान्छं मां अतं नम्मडी दि स्वर-त्वत्सत्व्यतो इहं सुवाः प्रतिषं हास चेदील माहु छिन्दा द्वानिस्ता वाहं दिनः।। द्वार्थ द्वारातका स्वयुषा वाले वयस्तकते॥ ११॥ स्या देतात्यल द्वास द्वासी महात्रे साम द्वार न (वरमारम्मक्सा मिनार परवीमारो दम पा श्रममा ्यन्यान्या भरगानि वलकाता मिरं वारी धतं भी बरे मुद्र त्वी च नामे न्हारे त्वस्य चेत्स्वर्ग स्व भू कि: विता: 119211 नि मेटारामिन्डस्कालं तमे हि-स्तव जार्य में तक विकास का भाषा 2-ास्टिलों यो हदको तवासी पुरस्ताल-3 201 573 -57 -1213 + ge123 11 9211 /__ त्वामत्य न्ति विकाशिता मतामृति स्ती में मीनां अते-लेखाँ बान्डमधीं दिवाकर कर स्थामिनो तपरमतः। वितं करण न द्वते अभनको छ र अध्यो जो मदः पूर्वीया करिन पुण्यामा से माम तरपुण्या की गा के अन ॥१४॥ 15 क ते व हिमानिया । जामेगडेलया लाम स्वयमेन स्वम मे रमं शंतरित् मशक्तमा विनासीलाम अमम को प्रमान के विनास के व 3 1/ त्यः वर्षे क्यारिकतं क्रमलको मलाः पा भूशास् यम् देशा दिया की प्रकल संप्रोड बराया विद्यास शुक्रवाहमं प्रतिमवातामिन्ह् एक सी 119 था पुरा पुरारे हुं सुति प्रभावले निकित्तः ति मेम्रो र्याम्यो म्या अस्म धन्यमः। त्याद भगम् माने भागं भूषां १२ने भीति स सुना लक्ष क्षा करें के के की रक्ष मार्च ॥ १६॥ सा वंत्रीरकारित हुन । दें नरम पूर्वी समावणं स्वत -इंग्रें शेल्य मारिया विव्यति अवसमानेवेद गास् । निं यह राति के के प्रमुणले क्यों निर्माण के वया गारिए इन्हें लक्ष्मिक के विद्यान के ले वया गारिए सर्वताः वार्धेतः सराडाहि विस्पे में वेत्से भावास्थतां मामिन्द्र लिला के ते हरे हिमा गरे : पुडे पे पला के पार Just 41 नदन स् डिमन् वादा म प्रमुक्तिमां शाशकीयारः दरमा भावे ध्याल र्ति राहिला सरका विकेतिः J French) प्रकार के त्या के त्या का कार्यात ।

पार्वत्या विक्रोधन सक्तिनं प्राप्तं मुतीनां अतम्। १२० त्या विश्वत्यस्य महतो मध्ये तमाइतन्यहुक्-मा द्या सकत्त गानुक्सला मेरिकसं अध्यामी पर गरमा है।।उ स्वित्रक्रात्र तम्मूर्यं प्रमुखं प्रमुखं त्राक्तमात तस्याः नार्था मुक्तमूनः। 120 120 00 00 00 00 00 00 00 00 11 811 2+ of 12 --- \$2+2 = 0 - or of 12 of 341 4 (3 F) लती व अगो में हर्व स्थल पताम सु भी नृति गुतः। En 14 CALE 1 - Wastur - Lange a dacus 112/1 - या रहं त्याना विदेशम् में वस्ति विशेष के वा देशमी-Noce / रन्यो न को जिल्ल तथो मार्था : न्त्रतथा मुनमे रथा द्वा हो। भि नाम किया के मान में प्रतिस्के अना माम में में मा माम ॥ है।। proser a him 172 मिर्णिक रहेनू मेला लयः। हिं ते गरियासी म्हार्सिक द्वा दें दें ने विके क्रिक्रिक । क्रि अवधाने स्वासाः व्रद्धम् केल तेमसा अवस्त माटिलः म्रोनानिव प्रथमा अमः कारिका देश महः पानतं । तेरिमा नके वर्ते प्राचित्र। अति प्रपातं तं पूजाका प्रमुद्धाः संहितां सेः। अन्तियाम म्याय केश्मणों डियम्माम ॥ रै।।

गासा यन्डेच से लगा देवि या सामा सुतानि : सुतान तथा

+ 15 मा हार्य काला में का काला है गा हरें वल्या परिद छ। ना भ्या सका त्रा का का मी का की? । भी का मान का में लास के द्वा की लाख -- LITER (- FI TILES TO ONLY AT C' BY THE THE WEST TO : TITE 12. 2 दो कं करीक नी वास्पाद्यान भारतम की जाताताली दानीय लालिता केर्न प्रकार का अग्रामा ता भी कि का विद्वार प्रमात मान समाप्त मान्द्र नारिता उत्सृष्ट पर येर सन्या लाइना नायम त्यो कमा १५म के १६म ता किन शारीर सी मुसाय । मिरियां मा. जुमानी दुख्य दं राषः कर्तमुप च उमे।

क न निरंभीडेड अमतर के पाइन पकः इति स्वामनी वरो प्रधानमूत्य भीती गुरो-र्माण सर्वस्था । श्रीरंगरमस्य तहाँ पवः॥ २॥

नार कर्नी हड़ते हड़े जार ना कि हो को राज में ना ना ना ना मेना ली अ तापः समाधिरम हे प्रमित स्नेम्मं नचा ।।।।।।

ल् नीय भगरवास्तः

whose or all -many parisme counted and -ter when

लाभमनी क्राहिष्ट खुशान्याचे अने निक क्रिक्स का कार्ती क्राह्म की क्रालिल के निश्च अमल की स्वन्छ कर करें से तपः (क्राह्म केड वीरु थां त्वद्धर क्रा के प्रवाल लवं वस्ती तो द्व संभूतं तब सनो ड क्षेणे पु स्वरीति क्रिया ।। र ।। मुत्रीमामधीतनाव न्यारेशमान्यार्थन्य दं । त्यारेश से मा ली कि कि विश्व के विश्व ने विश्व ने विश्व ने १९मं थर्मः छारो भवति भवती विविध्यमा मरेकं की सम्बा अमात राक्षातमातमान शाम्। १०॥ 四点: 对别 मान्यं मां अने नम्ही दे स्तर्वर्भत्यत् । हं मुधाः रकटमं सास में दीन माहरिक का क्लान्त स्तवाहं कि मः। उसं त्यां द्रामिश्यको गरिक अपवाः के ने व्यो ते का त्या दुः सार्थं जुला जातक स्वपुषा वाले तपस्तक ले ॥ ११॥ स्या देत त्यल द्वास हारी महात्रे साम द्वार न (असम्बद्धानिक्ष्या विचारकरवीमारोहमण समम्। ्यन्यान्या भट्गानि वलवुला मिदं वारो युतं भी बने वृद्ध त्वो चितामेन्द्वास त्वम्य चेत्स्वर्ग स्व भू किः वितः ॥१२॥ , ने मेटारामें ट्रांट करातां ने कि-स्तय जार्थ में म माने व्या हर भी छ स् 12िटा यो हदको त्यासी पुरस्ताल -3 227 523 - 57 -1215 + 592145 11 9211 त्यामत्य न्ताविकाशीया मलामुकिस्ती में मीमां बरी-स्तिं वान्डमसी दिवाकरकर हुरामिनो तपश्मतः। ियतं कर्या न दूपते समन्थी म् र यहनुको जो बर पूर्वीया भित्र पुरात्मास्त मम तत्युण्याचीमा मू दर्व अव ॥१४॥ अवस्त वित्र वित्रातिता अभिगडेलया लया स्वयमेव स्मानी-पार्शित स्मित्र में दिन ममेर के कमा पा त्यः विक्तारिक्तं कामलको मलाहः या भूशम्। यत्रितिधमामाप उक्ल संप्यो इ वहाया विहास मुख्याहनं प्रतिमवासामिन्छ् तस्यो ॥१५॥ तरा दरार हुं कुल का वल मिनिस्तः श्चितमुखी युक्तमुखी क्या असून भन्यमः। ल्याद भगमें में में महं । के में के के के त्या प्रयत्माकाचे गृहे. केनु मी अल्लाह्म ॥ १६॥ रम रामोरकारी रहा निं नर व पूर्वी समावणं स्वत -इस् शेल समारिया किन्युते अवनमनेनेद गास् । ाने, चेहं रामी ज ने अमुगल स्वयो निमी लम इतं मुद्धा लश्मित अमितं यह वदत्यस्थाम पा मं वया आही। सर्वताः याणितः सराडाहि। वेषु पे में वेल्से भावास्थलां मामि ए लिले के ते हरे हिमानेरे: पुड्या पलक्यों इम्बर्ग सा लास्या कि को परे वित्यम ना त्यास लाकेड की अनम् ॥११०। industry. नदन छ उन इ अदा मा पुलन्तिमां अत्राश्चितः 170 French रममामाने कात राते राहित्यः सरका निरेतेनः अधियाने त्य में त्यमाम प्राश्नीत्।

हस्ता हो मुद्र वर्ष द्वा द्वाले विका कि कार्य कार्य हता है। करने माने गरिष्ट्रसा विकास के प्रकार कार्य कार्य अपनी किया के प्रकार के प्रकार कार्य कार्य कार्य कार्य . हेद्रतस्य तयः किलोदमल्याः पूराः मलासंपदाम्।।वेटे। त्यात्र का स्टेस्ट चे क्ष्या ना मेर्ड मेरे मेरे के का म अभिरामिश सीलं । ये प्रस्मान धीरं विमामक के किन्द्र त्याम हं मानुवर्ष ११२०॥ र वं वावत्यु मार मन्नं ल वनु में तो मन् मामिरने कमनीय कहुंग अर्थन एउग हैं के मेर तर्थ। पार्गि भूतकते : क्षेत्रेत किने पारिशेष्टे तेन ते वास: श्रीमामिमा जिनं प्रमुपतेराई स्त्र वास्त्रीणि तार ॥२१॥ यासी प्रवचनोमली वन पुनः ने मार्ग के राजारी नि बर्द भूतको भगासम करे सा भी खडेता कर्या / हिं श्रेत्सर दुः रहं मलयमा लेपार्यदे वश्ये पात में तु ता महम ला महम देशां हासां स्वरतीमां । मे थड़।।221/ (1001 5-41 का विक्रमा त्व भारति देश 1 20 ansi 11 न्ति में अर को स्वाह्य का प्रस्त तमेरामणाः सर्वतः सावशं करेडासमागतामाः सर्वे करिकं न्याचे ।1231 समागते। मे नामिना तक दयं मुखा भने-अवार्त्या क नान्डमरूष व ड्रायते म मन्त्रम् । द्रिता । दे गाम बर त्य बहुत्यु ह कारें। अरो ह स्रों। 12811 न तर्व ने न ती करा थीं। विमा हरें मरमा दें भाषा से लो के कन्दारे में दिया कि के महतां लोकोनारं के प्रियार। उद्देश्मेक्स देशहगदेसाचे वा से वर्ष श्रीमं कर्म-की नाम कर में में दे हमें समरहरों दाला मणा क्या से हैं। 12 1215 / est भित्ते त्रियां महत्यां महत्ति हित्यायां निष्ठा मार्थ ने हार वर्षा का का का का का रही पर 1136

में घान्युदं मक्ताल्यम् वाराने क्यांते प्रमादिन स्वीलक्ष : स्वामे व्यो मारव्यां करिन्देशमले संचर्निधनामी वद्धारममं वदात वात्र ता सम च्यासामवानां कामर्वा वहात । हत्या विस्पुरत्या सदान्यम्। कों मेपानां ।शतमात्रतात्मिक नादा स्वातां ि दां शामे : समम महितां भुनी दालवानाम्। जातो त्युण्डां पानिक्वानिता माद्यानो । नेन्यामं वान्तिन्द्रशाउभव पवलो वद्धिम् कामिकामक् । १२॥ ाजिला मिलाम पुरी न सालं पुमार्गियाय मह नामाल म् al 52002 11311 धनाधनानं ताते द्वतानां उनुर्वती यां जाति स्तालाम्। र छ तथलां छान्ड तमाल मीला विकाश शक्या दूर माली मेला। 11811 अ बाम्बु वियु प्रसारामा सम्मारा हिला- विमुञ्च पत्पसमं समन्ततः) विनाइक मुह्बुद्रः कला किनो (名到一部分四十多年度; 如何用明期以 वहानी वयो दशमाविलायः प्यासिका किएला मिला पः अन्तरमनेदः स्वारामधीनो व वरार्ग्य दुर्गल रामरीनः।।६॥ प्रन तिकत्यो धमलं धनानां -लिहिलं दूरेविलं धनानाम्। भू ला भू मां मा मा मा मा मा में मका द्वा थी-विस्तापमाम्यार्थ। । से उम्बंसको मर्शिकरें के ने नियत्य मो हं न पना न दान्तेन विरामकत्य म्बुक्तवर्ग वासरः उत्मिन ना प निरा न नासर् दी

1013 4201 201 200 B उद्देवार विद्शान्डचापः सम्तर्मा वामवीत वामः। इतं हरन्त् स्याजा भीलां प्रबोध मन्नु धरोजलीलाम्। नि। अबस्तलं भारत धनेन्ड गोपरं रवरे म्यूरः शिखरीन्डगणपदम् वारोति कान्ता विरशनिमानसं 9-57 PU HOSIER (1901) EAL WEEK (1901) विनोसते को पमसा दिवान्दरः। प्रमुख शीरारंशक हो दिवान्दरः। समीर भो द्वत्य दम्मरणवः लमा हिसनी हिमेरा के राजारे गावशा ११॥ प्यो मुखाः गुस्त रवीन्द्र तारं रसत्तुलं अग्यन र वियु नगरम्। मनो दहत्यां कुलांभ दव गानां विभन्ते राजीननमध्य गानाम् ॥१२॥ पार्क उसं न मेयः भूला डुमो धम् दार्थं पूर्व्यं म हानदी नमति।।१२॥ विराधिया धर्मप्राः रकत विजितारियो पर करता। विद्यात मुख्यम्पेन्दी निदास्य मा सम्मरासरा का। १४।। र्नामिना विष्मुनां छियां योवने सत्बद म्बापितेवा तिवा योवने। अ। दा में द्वान करा। में रिसाम के व्या न्त्र के। को किना तथ नवह स्वाय के :1/8211 पत्भ तम देश विस्तार के उत्तर में गगड़रीते वासुनावं प्रभूतम्। अजात्या प्रवाद्या भो से विता हां लाम नो न्य न्याहिक कर कानां विनाहास्।।१६॥ । लावन्तः हमाची है द ने क करा प्राची पर्वे वे दारा । डियलम्बरहे जामाने ने स्टार्स